Ch-2 नाई

मौखिक

क) मनोहर की बहना का नाम क्या था?
उ मनोहर की बहना का नाम चुन्नी था।
ख) रामेश्वरी को कौन-सा सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ था?
उ - रामेश्वरी को संतान प्राप्ति का सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ था।

Date
Page

ग) रामजीदास के छोटे भाई का नाम क्या था?
उ- रामजीदास के छोटे भाई का नाम कृष्ण दासथा।
घ) मनोहर ने ताऊ को क्या मंगवाकर देने के लिए कहा?
उ- मनोहर ने ताई को पतंग मंगवाकर देने के लिए कहा।
ङ) छत से गिरने पर मनोहर को कहाँ चोट लगी?
उ- छत से गिरने पर मनोहर को टाँग पर चोट लगी।

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -
क) बाबू रामजीदास धनी आदमी थे।
ख) शास्त्र में लिखा है कि जिसके पुत्र नहीं होता उसकी मुक्ति नहीं होती।
ग) एक दिन रामेश्वरी का ज्वर कम हुआ
2. किसने, किससे कहा?
क) "ताऊ जी, हमें लेलगाड़ी ला दोगे?"
मनोहर ने रामजीदास से
ख) "ताई को नहीं ले जाएंगे?"
मनोहर ने रामजीदास जी से।
ग) "इसे खोपड़ी पर लादना कहते हैं?"
रामजीदास ने रामेश्वरी से
घ) "इसे मेरे पास लाओ"
रामेश्वरी ने रामजीदास से।

Date
Page

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए —
क) नहि से मनोहर नफ़रत करता था। इसका क्या कारण था?
उ- नहि से मनोहर नफ़रत करता था। इसके निम्नलिखित कारण है —
=> i. मनोहर अभी बच्चा था। उसमें समझ की कमी थी
ii. नहि का व्यवहार मनोहर की प्रति अच्छा नहीं था।
iii) मनोहर को नहि ने अपनी गोद से ढकेल दिया था।
iv) रामेश्वरी के अपनी कोई संतान नहीं थी। रामजीदास मनोहर को बहुत प्यार करते थे। इसी कारण नहि संतुष्ट नहीं रहती थी।
ख) नहि का हृदय परिवर्तन कैसे हुआ?
उ- नहि हमेशा मनोहर तथा रामजीदास पर क्रोधित होती रहती थी। वह किसी भी दशा मे मनोहर को प्यार नहीं देना चाहती थी परंतु कहा जाता है कि समय सब कुछ बदल देता है। ऐसा ही एक दिन हुआ। जब मनोहर छत पर मुंडेर से फिसल गया। उसकी आवाज़ को सुनकर तथा उसे गिरते हुए देखकर नहि रामेश्वरी के मुख से चीख निकल पड़ी। मनोहर के नीचे गिर जाने के कारण उसकी टांग की हड्डी उखड़ गई थी। इस कारण के बाद नहि का हृदय परिवर्तन होगया।

ग) रामेश्वरी बेहोशी की हालत में प्रलाप क्यों करती थी?

उ- रामेश्वरी बेहोशी की हालत में प्रलाप करती थी क्योंकि मनोहर छज्जे से नीचे गिर पड़ा, यह देखकर रामेश्वरी चीख मारकर छज्जे पर गिर पड़ी। रामेश्वरी एक सप्ताह तक बेहोश पड़ी रही। कभी-कभी बड़े जोर से चिल्ला उठती। उसे इस बात का झटका लगा था कि शायद वह मनोहर को गिरने से बचा सकती थी और बचाने में देर कर दी। इसी प्रलाप वे किया करती।

प. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए-

क) रामजीदास रामेश्वरी को मनोहर से प्रेम करने के लिए क्यों कहते थे? रामेश्वरी मनोहर से घृणा क्यों करती थी?

उ- रामजीदास रामेश्वरी को प्रेम करने के लिए इसलिए कहते थे कि वे स्वयं भी मनोहर को बहुत प्यार करते थे। वे नहीं चाहते थे कि मनोहर को किसी प्रकार का कोई कष्ट हो। रामेश्वरी मनोहर से इसलिए घृणा करती थी क्योंकि मनोहर रामेश्वरी का अपना बेटा नहीं था।

ख) रामेश्वरी को जब भी अवसर मिलता तो वह मनोहर पर किस प्रकार अपना क्रोध प्रकट करती? एक उदाहरण दीजिए।

उ- रामेश्वरी को जब भी अवसर मिलता तो वह

Date
Page 4

मनोहर पर अपना क्रोध प्रकट करते जैसे रेलगाड़ी के माँगने पर ताऊ जी ने खाना ला देंगे। जब भी रामजीदास ने मनोहर से रेलगाड़ी में किस-किस को बिठाने की बात पूछी, तब मनोहर ने ताऊ जी के लिए न में उत्तर दिया। रामजीदास मनोहर को उनकी गोद में बिठाने की चेष्टा की तो रमेश्वरी ने उसे अपनी गोद से धकेल दिया।

भाषाज्ञान

1. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

क) भौंहें तानना => क्रोध करना / नाराज होना
वह स्वभाव से ही क्रोधी है, छोटी-छोटी बातों पर भी भौंहें तान लेता है।

ख) गिरगिट की तरह रंग बदलना => सिद्धांत सिध्दांत हीन होना / अवसरवादी होना, सभी का विश्वास मत करना; वह तो गिरगिट की तरह रंग बदलती है।

ग सोच में घुला करना => चिंता करना / चिंतित रहना
जो हमारे वश में नहीं, उसके लिए सोच में घुला करना व्यर्थ है।

घ हृदय से लगाना -> अपने दिल से जोड़ना
काफी समय बाद मिलने पर बूढ़ी माँ ने अपने बेटे को हृदय से लगा लिया।

सही शब्द चुनकर मुहावरे लिखिए

नाच न जाने आँगन टेढ़ा
पलकें बिछाना
गले का हार
लोहा लेना
खबर लेना
दाँत खट्टे करना
टाँग अड़ाना
घर का उजाला
पहाड़ टूटना
आँखों का तारा
चोर की दाढ़ी में तिनका
घोल पीना
नौ दो ग्यारह होना